एमडीआई ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। एमडीआई गुड़गांव ने एक ऐतिहासिक सम्मेलन का आयोजन किया, जिसका विषय था फुली बैंक्ड, इंश्योर्ड एवं पेंशन्ड सोसाइटी फॉर अ विकसित भारत 2047 : फ्यूचर रोडमैप। सार्वजनिक एवं निजी सेक्टर के विचारक और विशेषज्ञ भारत के फाइनैंशियल सिस्टम के भविष्य पर विचार-विमर्श के लिए इस मंच पर इकट्ठा हुए। कार्यक्रम के दौरान एमडीआई गुरूग्राम में ह्यसेंटर फॉर फाइनैंशियल सर्विसेजह्न का उद्घाटन भी किया गया- जो देश की फाइनेंशियल पॉलिसी एवं इनोवेशन को आकार देने की संस्थान की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम है।

27 मई 2025 को एमडीआई गुड़गांव के परिसर में आयोजित इस सम्मेलन ने 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के दृष्टिकोण के साथ भारत के बैंकिंग, इंश्योरेन्स एवं पेंशन सिस्टम में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया। उद्घाटन सत्र की शुरूआत एमडीआई गुड़गांव के डायरेक्टर प्रोफेसर अरविंद सहाय द्वारा स्वागत सम्बोधन के साथ हुई। इसके बाद पीएफआरडीए के चेयरमैन डॉ. दीपक मोहंती और सेबी के पूर्व चेयरमैन एम दामोदरन ने सभा को सम्बोधित किया। तीनों सत्रों के दौरान प्रतिष्ठित दिग्गजों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

इनमें पंकज शर्मा (डीएफएस, एमओएफ), मनोज मित्तल (सिडबी), देबदत्ता चांद (बैंक ऑफ बड़ौदा), पृथ्वीश सिन्हा, डायरेक्टर, एफएस अडवाइजरी, पीडब्ल्यूसी इंडिया, प्रोफेसर एम.एस. साहू, पूर्व चेयरमैन, आईबीबीआई, वेंकटचलम अइयर, एमडी एवं सीईओ, टाटा एआईए लाईफ इंश्योरेन्स शामिल थे। दिन का समापन, बहु-प्रतीक्षित समापन सत्र तथा सेंटर फॉर फाइनैंशियल सर्विसेज के उद्घाटन के साथ हुआ। श्री नागराजु, आईएएस, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग, वित्त मंत्रायल भारत सरकार ने उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ाई।